

Shri P. V. Rajaraman

Shri P.V. Rajaraman served as a member of the Indian Administrative Service (IAS) from 1967 to 2004 with distinction. His entire service has been characterised by uncompromising integrity and quiet efficiency. He has devoted his career to the true spirit of public service.

2. Born on February 02, 1944, Shri Rajaraman was educated in Ramakrishna Mission Schools in Chennai. He received his Bachelors and Masters Degrees in Physics from the University of Madras in 1963 and 1965 and a Masters Degree in Management studies from the University of Leeds in the United Kingdom in 1981.

3. Shri Rajaraman joined the Indian Administrative Service in 1967 after having stood First in the examination conducted by the Union Public Service Commission (UPSC) and was allotted to the Tamilnadu cadre. He has served under both the State and Central Governments.

4. Shri Rajaraman was responsible for leading the conceptualisation and implementation of a unique initiative in urban development, through the Tamilnadu Urban Development Fund (TNUDF) for providing resources for investment in urban infrastructure to Urban Local Bodies through access to Capital markets. This has been widely cited as a benchmark for urban financing and has been replicated in many states in India. It has also been recommended as a model for other developing countries.

5. Shri Rajaraman took the initiative to formulate & introduce the Transparency in Tenders Act in Tamilnadu which led the way for procurement reform in the State with a view to reducing irregularities and corrupt practices in government procurement. Some of the key positions he has held include District Collector (Erode), Director - Ministry of Chemicals & Fertilizers, Chairman and Managing Director of the Tamilnadu Housing Board, Secretary to Government in Commercial Taxes, Home and Finance Departments and the State Development Commissioner. Shri Rajaraman was a member of the Expert Committee on Value Added Tax set up by the Government of India. He was the Chairman of the Tamilnadu State Forest Commission which considered and made recommendations on various aspects of Forest and Wildlife Management including measures for increasing the forest cover in the State. He was a member of the Advisory Committee of the Central Vigilance Commission (CVC). He served as a Director on the Boards of the Small Industries Development Bank of India (SIDBI) and Hindustan Petroleum Corporation (HPCL). He is currently Chairman of Equitas Housing Finance Private Limited, a company dedicated to providing home finance to lower income groups in the nonformal, selfemployed sector.

6. Throughout his career in the Civil Service and post retirement, he has been a mentor to his juniors and colleagues alike and his advice sought on matters relating to good governance.



श्री पी. वी. राजारामन

श्री पी.वी. राजारामन, ने वर्ष, 1967 से 2004 तक भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्य के रूप में प्रतिष्ठा के साथ कार्य किया। आपके पूरे सेवा काल की यह विशेषता रही कि आपने सत्यनिष्ठा के साथ समझौता नहीं किया और पूरी कार्यकुशलता के साथ कार्य किया। आपने अपने कॅरिअॅर को लोक सेवा की सच्ची भावना के प्रति समर्पित कर दिया।

2. आपका जन्म फरवरी 02, 1944 को हुआ। आपकी शिक्षा, रामकृष्ण मिशन स्कूल, चैन्नई में हुई। आपने मद्रास विश्वविद्यालय से वर्ष, 1963 और 1965 में भौतिक विज्ञान में क्रमश: स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्रियां और लीड्स विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंग्डम से वर्ष, 1981 में प्रबंधन अध्ययन में मास्टर डिग्री प्राप्त की।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में प्रथम आने पर आपने वर्ष,1967 में भारतीय प्रशासनिक सेवा ज्वॉइन की और आपको तमिलनाडु संवर्ग आबंटित किया गया। आपने राज्य और केन्द्र, दोनों सरकारों में कार्य किया।

4. आप पूंजी बाजार तक पहुंच के माध्यम से शहरी स्थानीय निकायों को शहरी अवसंरचना में निवेश के लिए संसाधन प्रदान करने हेतु तमिलनाडु शहरी विकास निधि के माध्यम से शहरी विकास में विशिष्ट पहल की संकल्पना बनाने और उसका कार्यान्वयन करने के लिए जिम्मेदार थे। शहरी वित्तपोषण के बैंचमार्क के रूप में व्यापक रूप से इसे उद्धृत किया गया है और भारत के कई राज्यों में इसे दोहराया गया है। दूसरे विकसित देशों के लिए मॉडल के रूप में भी इसकी संस्तुति की गई है।

5. आपने तमिलनाडु में निविदा अधिनियम में पारदर्शिता लाने और शुरू करने की पहल की जिससे सरकारी खरीद में अनियमितताओं और भ्रष्ट क्रियाकलापों को कम करने की दृष्टि से राज्य में खरीद संबंधी सुधार का मार्ग प्रशस्त हुआ। आप जिन पदों पर रहे उनमें जिला समाहर्ता (इरोड), निदेशक-रसायन और उर्वरक मंत्रालय, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, तमिलनाडु आवास बोर्ड, सचिव, वाणिज्यिक कर, गृह और वित्त विभाग और राज्य विकास आयुक्त के कुछ पद मुख्य हैं। आप, भारत सरकार द्वारा गठित की गई मूल्य कर संवर्धन संबंधी विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। आप, तमिलनाडु राज्य वन आयोग के अध्यक्ष थे जिसने राज्य में वन क्षेत्र बढ़ाने के उपायों सहित वन और वन्यजीव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के संबंध में सिफारिशें कीं और उन पर विचार किया। आप केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सलाहकार समिति के सदस्य थे। आपने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक और हिन्दुस्तान पैट्रोलियम निगम के बोर्डों में निदेशक के रूप में कार्य किया। इस समय आप अनौपचारिक, स्वनियोजित क्षेत्र में निम्न आय वर्ग के लोगों को गृह निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित इक्विटास हाउसिंग फाइनांस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अध्यक्ष हैं।

6. सिविल सेवा के अपने पूरे कॅरिअॅर और सेवानिवृत्ति के बाद आप अपने कनिष्ठ अधिकारियों और सहयोगियों के लिए समान रूप से मार्गदर्शक रहे और सुशासन से संबंधित मामलों पर आपकी सलाह ली जाती रही है।